

असाधारण

EXTRAORDINAR

भाग II---खण्ड 3--- उपलब्ड 👫 🗓

PART II—Section 3—Sub-section

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

4 · 358]

नई विल्ली, ब्धवार, ग्रास्त 21, 1974/आवण 30, 1896

Nr. 358]

NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 21, 1974/SRAVANA 30, 1896

इस भाग में भिन्म पुष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सर्वा।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture)

NOTIFICATION

New Delhi, the 21st August 1974

S.O. 500(E).—In exercise of the powers conferred by Section 5 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955) and in continuation of the Government of India Notification S.O. 488/(E) published in the Gazette of India Extraordinary Part II, Section 3, Sub-Section (ii) dated the 13-8-1974, the Central Government hereby directs that the powers conferred on it by Section 3 of the said Act to make orders under clauses (c), (d), (f), (h), (i) and (j) of sub-section (2) of that section shall, in relation to the cattle fodder of any of the varieties specified in the Schedule annexed to the said Notification, be exercisable also by the Collectors of Surat and Bulsar districts of Gujarat State in their respective districts.

This order shall come into force on the date of its publication in the Gazette of India and shall remain in force upto and inclusive of the 31st October, 1974.

[No. 32-1/74-LDIII]

I. J. NAIDU, Addl. Secy.

कृषि मंत्रालय

(कृषि विभाग)

यधिम्चना

नई दिल्ली, 21 श्रगस्त, 1974

कार आर 500 (भ्र).—श्रावश्यक वस्तु ग्रधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धररा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए ग्रौर भारत के ग्रसाधारण राजपत्र के भाग 2. खण्ड 3. उप-खण्ड (ii) दिनांक 13-8-74 में प्रकाणित भारत सरकार की ग्रधिमूचना एसर ग्रोट 488 (ई) के अभ में, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा निदेण देती है कि उक्त ग्रधिनियम की धारा 3 द्वारा, उस धारा की उपधारा (2) के खण्ड (ग), (घ), (च), (ज), (भ) ग्रौर (का) के ग्रधीन ग्रावेन देने के लिए, उसकी प्रदत्त ग्रक्तियां, उक्त ग्रधिमूचना के साथ उपाबद्ध ग्रनुसूची में विनिर्दिष्ट किनी भी किस्म के पशुचारे के सम्बन्ध में, गुजरात राज्य के सूरत ग्रौर बुलसार जिलों के कलक्टरों द्वारा भी ग्रपने ग्रपने जिलों में प्रयोगतव्य होंगी।

यह श्रादेश भारत के राजपब में इसके प्रकाशन की नारीख को प्रवृत्त होगा और 31 श्रक्तूबर तक, जिसमें यह नारीख भी सम्मिलिन हैं, लागू रहेगा।

> [सं० 32-1/74-एल० डी०-III] श्राई० जे० नायबु, श्रपर सचिव।